उत्तराखंड का पुराना लिपुलेख दर्रा

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के **पिथौरागढ़ ज़िले की व्यास घाटी** में 18,300 फीट की ऊँचाई पर स्थित **पुराना लिपुलेख दर्रा** 15 सितंबर, 2024 से जनता के लिये सुलभ हो जाएगा।

इससे श्रद्धालु भारतीय भूभाग में तिब्बत स्थित **पवित्र कैलाश शिखर** के दर्शन कर सकेंगे।

मुख्य बिंदु:

- लिपुलेख दर्रे के माध्यम से **कैलाश-मानसरोवर यात्रा** को वर्ष 2019 में **कोविड-19 प्रकोप** के बाद निलंबित कर दिया गया था और मार्ग को चीन अधिकारियों द्वारा अभी तक नहीं खोला गया है।
- यह पवित्र ट्रेक भक्तों और साहसी लोगों को चीन के **तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** में स्थित **कैलाश पर्वत तथा मानसरोवर झील** तक ले जाता है।
- **तीर्थयात्री** धारचूला से लिपुलेख तक कार से जा सकेंगे। वहाँ से उन्हें कैलाश शिखर के दर्शन के लिये लगभग 800 मीटर पैदल चलना होगा
- तीर्थयात्री अब भारतीय भूभाग से **ओम पर्वत** के भी दर्शन कर सकेंगे।

कैलाश मानसरोवर

- कैलाश पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी **चीन अधिकृत तिब्बत** में **6,675 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है
- **कैलाश** और उसके दक्षिण में 30 किलोमीटर दूर स्थित पवित्र **मानसरोवर** झील की तीर्थयात्रा विशेष रूप से एक सरकारी संगठन, **कुमाऊँ मंडल विकास निगम (KMVN)** द्वारा संचालित की जाती है
    - यह संगठन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और चीन सरकार के सहयोग से कार्य करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-s-old-lipulekh-pass